आपके पत्र

उपयोगी पत्रिका

मैं वर्ष 2009 से विज्ञान प्रगति का नियमित पाठक हूँ। विज्ञान मेरा पसंदीदा विषय रहा है। विज्ञान प्रगति मेरे मन में आये सभी प्रश्नों को हल कर देती है। और अब विज्ञान प्रगति दिन-प्रति दिन बहुत ही उपयोगी व आकर्षक होती जा रही है। सामान्य विज्ञान, जीव विज्ञान, प्रतियोगी परीक्षाओं में पूछे जाने वाले प्रश्नों को देकर तो विज्ञान प्रगति विद्यार्थियों को लुभा रही है और यह छात्रों के लिए उपयोगी सिद्ध हो रही है। मैं कोचिंग संस्थानों के छात्र-छात्राओं, युवा वर्ग एवं सभी आयु वर्ग के लोगों से अनुरोध करना चाहूँगा कि वे विज्ञान प्रगति के नियमित पाठक बनें और खासतौर पर वे विद्यार्थी जो प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, वे इसके नियमित पाठक अवश्य बनें। मैं विज्ञान प्रगति की टीम का हार्दिक अभिनन्दन करता हूँ कि आपके अथक प्रयास और मेहनत से आज का युवा, विज्ञान के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा को दिखा रहा है।

श्री मुनेश कुमार आजाद, सुपुत्र श्री विजय सिंह गुर्जर
के.पी. केम्पस, अलवर, 301 001 (राजस्थान)
[मो. : 09887114414; 09785467000]

उत्कृष्ट पत्रिका

मैं विज्ञान प्रगति पत्रिका का नियमित पाठक हूँ। इस पत्रिका के माध्यम से विज्ञान के प्रचार-प्रसार का कार्य बेहद संजीदा तरीके से किया जा रहा है। इससे न सिर्फ छात्रों के ज्ञान में वृद्धि होती है बल्कि आमजन में भी विज्ञान के प्रति जागरूकता आती है। सभी लेख उत्कृष्ट श्रेणी के होते हैं।

मैंने एक लेख आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस पर लिखा है। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के इतिहास, वर्तमान और भविष्य को रेखांकित किया है। यह मेरा आपकी पत्रिका हेतु पहला प्रयास है आशा है इसे स्थान प्राप्त होगा।

श्री मनीष श्रीवास्तव, एलआईजी 4/24, विद्यानगर भोपाल, (म.प्र.) [मो. : 09300270915]

पसंदीदा अंक

नरेन्द्र देवांगन का लेख 'खतरे में हैं प्रवासी पक्षी' विज्ञान प्रगति के जनवरी 2017 के अंक में पढ़ा। बदलते मौसम में अपने जीवन की रक्षा व पौष्टिक आहार के लिए प्रवासी पक्षी जो दूसरे क्षेत्रों में जाते थे वहां नजर नहीं आते हैं जिसका कारण बढ़ता शहरीकरण, चारों ओर प्रदूषण की मार, वनाच्छादन क्षेत्र में कमी तथा इनके शिकार में होने वाली बढ़ोत्तरी है। जिसके कारण जो पक्षी बहुतायत से देखने को मिलते थे वे अब विलुप्त पक्षियों की श्रेणी में देखे जा रहे हैं। यह भ्रान्ति कि मांसाहार से अधिक स्वस्थ रहा जा सकता है, को दूर करने की जरूरत है। सच तो यह है कि पक्षियों का शिकार करके अपने लिए स्वादिष्ट व पौष्टिक आहार लेने वाले लोग तरह-तरह की बीमारियों के शिकार होते देखे जा रहे हैं। इसके अलावा अनिल कुमार मिश्र की विज्ञान कविता 'वृक्ष मित्र अरू गुरू महान' में वृक्षों से होने वाले अनन्त लाभों की चर्चा करते हुए अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने एवं वृक्षों की रक्षा करने का जो सन्देश दिया गया है वह काफी प्रेरक व उपयोगी है।

श्री राघवेन्द्र शुक्ल
ग्राम-बक्सर पो.-देवापार, जिला-बस्ती-272 302 (उ.प्र.)
[मो. : 08052760009]

प्रकाशमयी पत्रिका

मैं विज्ञान प्रगति पत्रिका का विगत चार वर्षों से नियमित पाठक हूँ। तथा इसे पढ़ने के लिए उत्साहित भी रहता हूँ। यह पत्रिका हम जैसे खगोलशास्त्र में रुचि रखने वालों के लिए एक वरदान है। मुझे जनवरी 2017 का अंक प्राप्त हुआ, जिसमें प्रकाशित आमुख कथा तथा आरोग्य सलाह बहुत ही अच्छी लगी। विमलेश चंद्र जी की रेल दुर्घटनाओं पर लिखी गई आमुख कथा पढ़कर अत्यंत प्रसन्नता हुई। यह आमुख कथा हमें रेल यात्रा के दौरान होने वाली गलतियों के बारे में बताती है तथा रेल दुर्घटना को कम करने के बारे में दिशा-निर्देश भी देती है। इससे हमें सीख लेनी चाहिए कि हम सभी लोग इन दुर्घटनाओं से बचें और दूसरों को बचाएं। मैं विज्ञान में रुचि रखने वाले सभी छात्र एवं छात्राओं से निवेदन करना चाहता हूँ कि वे भी इस प्रकाशमयी पत्रिका को अवश्य पढ़ें क्योंकि विद्यार्थियों के लिए विज्ञान प्रगति ज्ञान का प्रतीक है।

श्री अभय कुमार मिश्र, सुपुत्र श्री सुरेन्द्र मिश्र
ग्राम-विश्वम्भरपुर, पो. चनायन बाँध, थाना-मझौलियाँ जिला-बेतियाँ 845 454 (बिहार)
[मो. : 07482999712;
ई-मेल : abhaymishrabth@gmail.com]

ज्ञानवर्धक पत्रिका

मैं पिछले एक साल से विज्ञान प्रगति पत्रिका का नियमित पाठक हूँ। मुझे इसमें प्रकाशित होने वाले सभी लेख बहुत ही ज्ञानवर्धक लगते हैं। मुझे जनवरी 2017 का अंक प्राप्त हुआ। जिसमें विष्णु प्रसाद चतुर्वेदी जी का लेख 'जीवाणुओं का संसार' पढ़कर बहुत खुशी हुई। इस अंक में प्रकाशित लघु लेख, कैरियर, आरोग्य सलाह को पढ़कर मुझे अनेक ज्ञानवर्धक बातों का ज्ञान हुआ जो मेरी अपनी किताब से भिन्न हैं। इसमें प्रकाशित होने वाले सभी लेख अत्यंत रोचक और ज्ञानवर्धक होते हैं। मस्तिष्क की बड़ी बीमारी मिर्गी के बारे में बहुत से लोगों को जानकारी नहीं होती है। लेकिन यह पत्रिका हर समय-समय पर मस्तिष्क से जुड़ी बिमारियों के बारे में विस्तार रूप से समझाती रहती है। सवाल जवाब स्तंभ ज्ञानवर्धक होता है। जिसमें हमें अपने देश में होने वाली सभी घटनाएं एवं वैज्ञानिकों की नई तकनीक के साथ नई खोज तथा वायुमण्डल से जुड़ी जानकारियाँ सरलता तथा सुगमता से मिल जाती हैं।

मेरे जीवन में यह पत्रिका बहुत ही उपयोगी है। मैं विज्ञान प्रगति के सभी पाठकों से निवेदन करता हूँ कि वे इसे आवश्य पढ़ें। हम सभी छात्र विज्ञान प्रगति की टीम को धन्यवाद देते हैं।

श्री सचिन कुमार, सुपुत्र श्री विजय कुमार ओझा, ग्राम विश्वम्भरपुर, थाना-मझौलियाँ, जिला-पश्चिमी चम्पारण (बेतिया) पोस्ट-चनायन बांध 845 454 (बिहार)
[मो. : 07091341650; 09934792861;]

सूचना

सभी लेखकों से अनुरोध है कि अपने लेख के साथ, जिस बैंक में आपका खाता है, उस बैंक के बारे में निम्न ब्यौरा अवश्य भेजें, जिससे कि प्रकाशित लेख का मानदेय लेखक के खाते में भेजा जा सके :

खाता धारक का नाम, खाता संख्या, बैंक का नाम, बैंक का पता, MICR कोड, शाखा कोड, IFSC कोड, SWIFT कोड।

सम्पादक